

CHAPTER-XI

पढ़क्कू की सूझ

2 MARK QUESTIONS

1. 'पढ़क्कू की सूझ' कविता में एक कहानी कही गई है। इस कहानी को तुम अपने शब्दों में लिखो।

उत्तर:

इसका उत्तर: कविता को सारांश में है। उसे पढ़ो और लिखो।

कवि की कविताएँ

तीसरी कक्षा में तुमने रामधारी सिंह दिनकर की कविता 'मिर्च का मज़ा' पढ़ी थी। अब तुमने उन्हीं की कविता 'पढ़क्कू की सूझ' पढ़ी।।

2.(क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर तुम्हें ज्यादा मज़ा आया?
(चाहो तो तीसरी की किताब फिर से देख सकते हो।)

उत्तर:

दोनों में से मुझे 'पढ़क्कू की सूझ' कविता ज्यादा मजेदार लगी। इसमें पढ़क्कू तर्कशास्त्री है। पढ़ा-लिखा है। फिर भी बैल के मालिक से मूर्खतापूर्ण सवाल करता है। इससे कविता काफी रोचक बन जाती है।

3. तुम्हें काबुली वाला ज्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू? या कोई भी अच्छा नहीं लगा?

उत्तर:

मुझे दोनों ही बड़े अच्छे और मजेदार लगे।।

4. मेहनत के मुहावरे

कोल्हू का बैल ऐसे व्यक्ति को कहते हैं, जो कड़ी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती है। मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीचे लिखे हैं। इनका वाक्यों में इस्तेमाल करो।

- दिन-रात एक करना
- पसीना बहाना
- एड़ी-चोटी का जोर लगाना

उत्तर:

- दिन-रात एक करना-वार्षिक परीक्षा में अव्वल अंक पाने के लिए सोनिया ने दिन-रात एक कर दी।
- पसीना बहाना-हमारे किसान खेतों में पसीना बहाकर फसल उगाते हैं।
- एड़ी-चोटी का जोर लगाना-सफलता उन्हें ही मिलती है जो एड़ी-चोटी का जोर लगाते हैं।

5. तुम कौन-सा काम खूब मन से करना चाहते हो? उसके आधार पर अपने लिए भी पढ़क्कू जैसा कोई शब्द सोचो।

उत्तर:

मैं गप्पें खूब मारना चाहता हूँ। इस आधार पर मैं 'गप्पू' के नाम से पुकारा जा सकता हूँ।

4 MARK QUESTIONS

1. अपना तरीका

हाँ जब बजती नहीं, दौड़कर तनिक पूँछ धरता हूँ।

पूँछ धरता हूँ का मतलब है पूँछ पकड़ लेता हूँ।

नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखो।

(क) मगर बूंद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे?

(ख) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।

(ग) सिखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढब है।

(घ) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।

उत्तर:

(क) मगर शाम तक तुम एक बूंद तेल भी नहीं पा सकोगे।

(ख) हमारा बैल अभीतक तर्कशास्त्र नहीं पढ़ा है।

(ग) इसने बैल को निश्चय ही कोई तरकीब सूझा रखी है।

(घ) जहाँ कोई भी बात नहीं, वहाँ भी नई बात बना लेते थे।